ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE

REACHING NATIONS

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXX YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2025 APRIL **No.05**

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
मरकुस 16:9—16

9 सप्ताह के पहले दिन भोर होते ही वह जी उठ कर पहले-पहल मरियम मगदलीनी को जिसमें से उसने सात दुष्टात्माएँ निकाली थीं, दिखाई दिया।

10 उसने जाकर यीशु के साथियों को जो शोक में डूबे हुए थे और रो रहे थे, समाचार दिया।

11 उन्होंने यह सुनकर कि वह जीवित है और उसने उसे देखा है, प्रतीति न की।

12 इसके बाद वह दूसरे रूप में उनमें से दो को जब वे गाँव की ओर जा रहे थे, दिखाई दिया।

13 उन्होंने भी जाकर दूसरों को समाचार दिया, परन्तु उन्होंने उनकी भी प्रतीति न की।

14 पीछे वह उन ग्यारहों को भी, जब वे भोजन करने बैठे थे दिखाई दिया, और उनके अविश्वास और मन की कठोरता पर उलाहना दिया, क्योंकि जिन्होंने उसके जी उठने के बाद उसे देखा था, इन्होंने उनकी प्रतीति न की थी।

15 और उसने उनसे कहा, "तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।

16 जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा।

पुनरुत्थान के पीछे की आशा!
THE HOPE BEHIND RESURRECTION!

मानद प्रधान सम्पादिका,
रेव्ह. एन्जेलिन सेल्वकुमारी

ईस्टर नवीकृत आशा का उत्सव है – एक ऐसा समय जब मसीह के पुनरुत्थान के द्वारा निराशा आनन्द में बदल गई है। फिर भी, हमारे व्यस्त जीवनों और अथक संघर्षों के मध्य, आशा कभी-कभी दूर की बात लग सकती है। ऐसे क्षण आते हैं जब हमारा विश्वास डगमगा जाता है, जब संदेह हमारी दृष्टि को धुंधला कर देता है, और जब हम परमेश्वर के हाथ को काम करता हुआ समझने के लिए संघर्ष करते हैं। यदि आपने कभी अनिश्चितता से परेशान महसूस किया है, तो हिम्मत रखें – आप अकेले नहीं हैं।

लूका २४:१३-३५ में इम्माऊस के रास्ते पर दो चेलों की कहानी, इस सत्य को सामर्थी रूप से वर्णन करती है। यह हमें याद दिलाती है कि हमारे संदेह के क्षणों में भी, यीशु हमारे साथ चलते हैं, हमारे विश्वास को फिर से जगाने और हमारी आशा को बहाल करने के लिए तैयार रहते हैं।

अविश्वास का बोझ!

दो चेलों की कल्पना करें जो धूल भरी सड़क पर चल रहे हैं, उनके कदम दुख से बोझिल हैं और उनका दिल निराशा से दबा हुआ है। उन्होंने अपनी सारी आशाएं यीशु पर लगा रखी थीं, यह

पृष्ठ 3 मे क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल *5 मिनिट का संदेश!!*

यू ट्यूब *मसीही चैनल!*

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे

तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे

★ Please Subscribe and Share ★

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

REACHING NATIONS

from your dearly beloved brother...

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF

Rev. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

EX MANAGING EDITOR

Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

GENERAL MANAGER

Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM., MBA.

ADMINISTRATION

Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD

Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER

Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858 95661 31858

E.MAIL

sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES

www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL

Echo of His Call

"क्योंकि यह परमेश्वर सदा सर्वदा हमारा परमेश्वर है, वह मृत्यु तक हमारी अगुवाई करेगा।" भजन 48:14

मसीह में प्रियतम,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के अनमोल नाम में अभिवादन! **प्रभु भला है, और उसकी कृपा सदा बनी रहती है।** 2 इतिहास 7:3।

परमेश्वर विश्वासयोग्यता से, हम 1969 में अपनी स्थापना के बाद से ५५ अद्भुत वर्षों की सेवकाई के माध्यम से आगे बढ़े हैं। हमारे प्रबंध संपादक और हमारे बेटे प्रो. एलेक्स सैमसन सैम जो हमारे साथ खड़े रहे, हाथ से हाथ मिलाकर काम किया, उन्होंने अपनी दौड़ पूरी की और 13.02.2025 को प्रभु की उपस्थिति में प्रवेश किया। हम पिछले लगभग 30 वर्षों से उनके जीवन और उनके मिशन में योगदान के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं। हम फिर मिलेंगे। हमें आपकी प्रार्थनाओं की आवश्यकता है।

एको ऑफ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ की 56वीं वर्षगांठ 8, 9 और 10 अगस्त को हमारे संतोषपुरम स्कूल के मैदान में मनाई जाएगी। इन बैठकों के दौरान विशेष वक्ता सेवकाई प्रदान करेंगे, और हम आपको प्रार्थना और संगति में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं।

Sister Angeline Selvakumari

हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी प्यारी बेटी सिस्टर एंजेलिन सेल्वाकुमारी, माननीय प्रधान संपादक को अन्य समर्पित सदस्यों के साथ हमारे कार्यालयों की नई प्रमुख और कार्यकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया है। हम अपनी टीम और सेवकाई के सहयोगियों से अनुरोध करते हैं कि वे प्रार्थना में उनका साथ दें और इस मिशन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में अपना पूरा योगदान दें।

जोशुआ वारियर्स इंटरनैशनल!

पिछले तीन वर्षों से, हमारा जोशुआ वारियर्स इंटरनैशनल निम्नलिखित सेवाओं में सक्रिय रूप से लगा हुआ है :

1. युवा और बाल देखभाल के लिए वैश्विक दृष्टिकोण (ग्लोबल विजन फॉर युथ ॲण्ड किड केयर):

आपके संबंधित देशों में प्रतिदिन रात 10 बजे के लिए एक समर्पित प्रार्थना समय निर्धारित किया गया है। हम आपको प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं :

"हे प्रभु, कृपया दुनिया के सभी युवा पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को याद रखें।"

इन वर्षों के दौरान परमेश्वर हमारी कलीसियाओं में युवाओं के मध्य सामर्थी रूप से आगे बढ़ रहे हैं। आप इस प्रार्थना टीम में शामिल हो सकते हैं। इस प्रकार आप प्रतिदिन रात्रि 10 बजे उस स्थान से यह प्रार्थना कर सकते हैं जहां आप आराधना कर रहे हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) ☼ BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) ☼ YouTube Ministry ☼ Online Courses ☼ Theological Correspondence Courses (2 languages) ☼ Church Planting ☼ Nehemiah Bible Colleges ☼ Gospel Printing Press ☼ Great Commission Partners ☼ St. Paul's Matriculation School ☼ Crusades ☼ Community Development

2. 24 घंटे की श्रृंखला प्रार्थना :

विश्व भर में जागृति और लोगों की ज़रूरतों के बोझ के साथ, हमारे पास पूरे सप्ताह हर दिन प्रार्थना की एक निरंतर श्रृंखला है। हम आपको आपके पसंदीदा समय पर एक घंटे की प्रार्थना स्लॉट के लिए साइन-अप करके भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। कृपया अपना नाम, मोबाइल नंबर और पसंदीदा प्रार्थना समय हमारे कार्यालय को भेजें।

3. सेमिनार, शिविर और कार्यशालाएं :

संप्रदायों की बाधाओं को पार करते हुए दुनिया भर के युवा पुरुषों और महिलाओं को प्रभु यीशु मसीह के गवाह के रूप में बढ़ाने हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों और युवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र संचालित किए जाते हैं।

यदि आप इस वैश्विक प्रार्थना सेवकाई का हिस्सा बनने में रुचि रखते हैं, तो आप निःशुल्क नामांकन कर सकते हैं, और हम आपको समाचार और साक्षियां भेजेंगे। बहन एंड्रिया क्रिसमस हेन्री ने इस सेवकाई का प्रभार संभाला है।

बहन एन्ड्रिया क्रिसमस हेनरी

सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल

हम सेंट पॉस मैट्रिकुलेशन स्कूल के लिए सक्षम अगुवों और शिक्षकों की तलाश में हैं।

नेहेमायाह बाइबल कॉलेज!

रेव्ह. डॉ. जॉन राजाराथनम

इसके अतिरिक्त, हमारे नेहेमायाह बाइबल कॉलेजेस प्रभावी रूप से काम करना जारी रखते हैं।

(i) तमिल कक्षाएँ - वेलाचेरी, चेपौक और संतोषपुरम
(शाम की कक्षाए, सप्ताह में तीन दिन - सोमवार, मंगलवार, गुरुवार)

(ii) हिंदी कक्षाएं - वेलाचेरी (आवासीय)

कृपया अपनी प्रार्थनाओं में रेव्ह. डॉ. जॉन राजरत्नम को याद रखें क्योंकि वे वरिष्ठ प्राचार्य के रूप में इस उपक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं।

स्वीकृति और आभार!

हम अपने सहयोगी संपादकों, अनुवादकों, सहायकों, कार्यालय कर्मचारियों, डीटीपी कर्मचारियों और प्रिंटरों की समर्पित टीम के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, जिनके अथक प्रयासों से 16 भाषाओं में एको ऑफ हिज़ कॉल का मासिक प्रकाशन सुनिश्चित होता है। कृपया इन 75 व्यक्तियों को अपनी प्रार्थनाओं में रखें।

हमारे मुख्य चर्च और शाखा चर्चों में १०० से अधिक सेवक ईमानदारी से सेवा कर रहे हैं - पादरी, संडे स्कूल शिक्षक, प्रार्थना समूह के नेता, युवा नेता और घरेलू प्रार्थना समूह समन्वयक के रूप में। हम इन सेवकाइयों के लिए आपकी निरंतर प्रार्थना और सहायता की ईमानदारी से कामना करते हैं।

हम विश्वास में खड़े हैं, अपने प्रभु यीशु मसीह पर भरोसा करते हैं कि वह अपने लोगों के माध्यम से हर ज़रूरत को पूरा करेंगे। हम मनुष्य की सामर्थ्य पर नहीं बल्कि परमेश्वर के प्रावधान पर निर्भर हैं। हम आपको इस सेवकाई के लिए प्रार्थना में हमारे साथ शामिल होने और प्रभु के मार्गदर्शन में इसमें सहायता प्रदान करने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं।

जब प्रभु वापस आएगा तो वह उसके अनुसार आपको प्रतिफल देगा।

परमेश्वर का अनुग्रह आपके साथ हो।

उसकी सेवा में,

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवा परिवार

Email: sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल के पाठकों : ध्यान दें

हमारे 5 मिनिट के एको ऑफ हिज़ कॉल यूट्यूब संदेश सुबह 2 बजे तमिल, अंग्रेज़ी और हिंदी में प्रतिदिन प्रसारित किए जाते हैं। इन संदेशों को देखने से आप परमेश्वर का अनुग्रह पा सकते हैं।

इसके अलावा, आपके व्यक्तिगत मोबाइल फोन में मेरे मोबाइल क्रमांक (+91) 98410 71858, (+91)98412 71858 सेव करें।

- पास्टर एस. सैम सेल्व राज

पृष्ठ 1 से आगेः...

हैं और उनका दिल निराशा से दबा हुआ है। उन्होंने अपनी सारी आशाएं यीशु पर लगा रखी थीं, यह मानते हुए कि वह लंबे समय से प्रतीक्षित मसीह है जो इस्राएल को छुटकारा दिलाएगा। लेकिन अब, उनके दिमाग में उसके क्रूस पर मारे जाने की घटना ताज़ा है, उनके सपने नष्ट हो गए हैं। हालांकि उसके पुनरुत्थान की अफ़वाहें फैलने लगी थीं, लेकिन उनके दुख और संदेह ने उनकी समझ को धुंधला कर दिया।

जब वे यात्रा कर रहे थे, तो एक अजनबी उनके साथ जुड़ गया - स्वयं यीशु - हालांकि वे उसे पहचान नहीं पाए। जब उसने उनकी बातचीत के बारे में पूछा, तो उन्होंने अपना दुख और उलझन बता दी। यीशु ने धीरज उनकी बात सुनी, फिर उन्हें सौम्य शब्दों में डांटा :

हे निर्बुद्धियो, और भविष्यद्वक्ताओं की सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियो!
(लूका २४:२५)।

उसके शब्द कठोर नहीं थे, बल्कि पवित्रशास्त्र की प्रतिज्ञाओं को याद रखने के लिए एक कोमल

बुलाहट थी - एक अनुस्मारक कि हर भविष्यवाणी, हर ईश्वरीय आश्वासन को, हमेशा उसी की ओर इशारा करता था।

हम कितनी बार खुद को चेलों की जगह पर पाते हैं? हम परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को जानते हैं, फिर भी जब विपत्ति आती है, तो हमारा ध्यान उनकी सच्चाई के बजाय अपनी परेशानियों पर चला जाता है। हमारी भावनाएं हमारे विश्वास पर हावी हो जाती हैं, जिससे हम निराश हो जाते हैं। लेकिन न बदने वाली सच्चाई बनी रहती है : जब हम उन्हें पहचानने में विफल हो जाते हैं, तब भी यीशु हमारे साथ चलता है, धीरज के साथ हमारे जीवन में खुद को प्रकट करने की प्रतीक्षा करता है।

यीशु, महान सांत्वनादाता !

इम्माऊस की कहानी को इतना गहराई से प्रभावित करने वाला जो कारण है, वह है जिस तरह से यीशु अपने चेलों के पास आते हैं। वे अपनी पहचान को तुरंत भव्यता या दिखावे के साथ प्रकट नहीं करते हैं। इसके बजाय, वे उनके साथ चलते हैं, उनके दुख को सुनते हैं, और उन्हें धीरे-धीरे समझ की ओर ले जाते हैं। ऐसा करके, वे हमारे संघर्षों के बारे में अपनी गहरी जागरूकता दिखाते हैं। यीशु हमारे टूटने और दुख के क्षणों में हमसे मिलते हैं। वे तुरंत विश्वास की मांग नहीं करते हैं या उम्मीद नहीं करते हैं कि हमारा दर्द रातों-रात गायब हो जाएगा। इसके बजाय, वे अपनी प्रेमपूर्ण उपस्थिति और अपने सत्य की चंगाई करने वाली सामर्थ्य प्रदान करते हैं।

उन समयों के बारे में सोचें जब आपने खुद को खोया हुआ महसूस किया हो - शायद एक दर्दनाक ब्रेक-अप के बाद, नौकरी छूटने के बाद, या ऐसी असफलताओं के बाद जो असाध्य लगती थीं। उन क्षणों में, आपने सोचा होगा कि क्या परमेश्वर चुप था। फिर भी, सच्चाई यह है कि वह हमेशा वहां था - आपके साथ-साथ चल रहा था, अपने वचन के माध्यम से बोल रहा था, और धीरज के साथ आपके द्वारा उसे पहचानने की प्रतीक्षा कर रहा था। यीशु हमें अपने बोझ को उसकी उपस्थिति में लाने के लिए आमंत्रित करता है, जिससे वह हमारे दुख को आशा में बदल सके। जैसा कि **यूहन्ना ११:२५ घोषित करता है, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ; जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा।** यह प्रतिज्ञा केवल दूर के भविष्य के लिए नहीं है, बल्कि उन चुनौतियों के लिए है जिनका हम हर दिन सामना करते हैं।

परमेश्वर के वचन की सामर्थ्य

जैसे-जैसे चेलों ने अपनी यात्रा जारी रखी, यीशु ने उनके सामने वचनों को खोलना शुरू किया। उन्होंने बताया कि कैसे हर भविष्यवाणी - मूसा से लेकर भजन तक - उनकी पीड़ा और अन्तिम महिमा की ओर इशारा कर रही थी। उस वार्तालाप की गहराई की कल्पना करें : हर वचन, हर भविष्यवाणी, हर पूर्वाभास अचानक जीवंत हो गया। कोई आश्चर्य नहीं कि चेलों **ने बाद में कहा, "जब वह मार्ग में हम से बातें करता था और पवित्रशास्त्र का अर्थ हमें समझाता था, तो क्या हमारे मन में उत्तेजना न उत्पन्न हुई?"** (लूका २४:३२)।

जीवित वचन और पुनरुत्थान की प्रतिज्ञा!

बाइबल भूतकाल का अवशेष नहीं है; यह एक जीवित, सक्रिय मार्गदर्शक (इब्रानियों ४:१२) है जो आज भी हमारे दिलों से बात करता है। जब हम खुद को पवित्रशास्त्र में डुबोते हैं, तो हम परमेश्वर के सत्य को उन संदेहों और भय को शांत करने के लिए आमंत्रित करते हैं जो हमारी शांति को भयभीत करती है। चेलों को यीशु की उपस्थिति के भौतिक प्रमाण की आवश्यकता नहीं थी - उन्हें उसके वचन को समझने से मिलने वाले प्रकाश की आवश्यकता थी। और जब उस प्रकाश ने उनकी निराशा को भेद दिया, तो उनके दिलों में नई आशा जागृत हो उठी।

रोमियों ६:४ पर विचार करें, जो घोषणा करता है, "अतः उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें।" यह नया जीवन पुनरुत्थान की आशा की नींव पर बना है - एक ऐसी आशा जो हमें भीतर से बदल देती है, सबसे अंधेरे क्षणों में भी हमारी आत्माओं को नया बनाती है।

पुनरुत्थान की प्रतिज्ञा

पुनरुत्थान केवल ईस्टर की सुबह तक सीमित एक ऐतिहासिक घटना नहीं है; यह हमारे विश्वास की आधारशिला है और पाप और मृत्यु पर परमेश्वर की सामर्थ्य का अंतिम प्रदर्शन है। १ कुरिन्थियों १५:२०-२२ में, पौलुस घोषणा करता है, **"परन्तु सचमुच मसीह मुर्दो में से जी उठा है, और जो सो गए हैं उनमें वह पहला फल हुआ। क्योंकि जब मनुष्य के द्वारा मृत्यु आई, तो मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरुत्थान भी आया। और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसे ही मसीह में सब जिलाए जाएँगे।"** यह गहन सत्य हमें आश्वस्त करता है कि मृत्यु अंत नहीं है - न ही हमारी परीक्षाएं या असफलताएं।

कब्र पर यीशु की जीत यह गारंटी देती है कि हम भी अपनी परिस्थितियों से ऊपर उठ सकते हैं। जब जीवन की कठिनाइयां हमें परेशान कर देती हैं, तो पुनरुत्थान दृष्टिकोण में बदलाव लाता है : हमारा वर्तमान दुख अस्थायी है, लेकिन अनंत जीवन की आशा अटल है। यह हमारे दर्द को दूर करने का आह्वान नहीं है, बल्कि इसे मसीह की विजय के लेंस के माध्यम से देखने का निमंत्रण है। उसमें, हमें सहने की शक्ति, आशा करने का साहस और हमारे द्वारा देखे जा सकने वाले भविष्य से परे भविष्य की प्रतिज्ञा मिलती है।

परीक्षाओं के बीच आशा!

पुनरुत्थान की आशा के प्रकाश में जीने का मतलब यह नहीं है कि जीवन चुनौतियों से मुक्त होगा। प्रेरित पौलुस हमें

पृष्ठ 6 से आगे:...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

❋ **भार उठना** (गलातियों 6:2), ❋ **सहायता करना** (रोमियों 12:13) **और** ❋ **चमकाना** (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

19 अप्रैल 2025, से 18 मई 2025 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 अप्रैल : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** और **नेहेमायाह बाइबिल कॉलेज** की सभी गतिविधियों में उनका मार्गदर्शन करने के लिये।

20 अप्रैल : हमारी संस्था को योग्य और समर्पित नए उम्मीदवारों की भर्ती करने की क्षमता प्रदान करने के लिये।

21 अप्रैल : हमारे सभी सहयोगी संपादकों के जीवन और परिवारों के लिए।

22 अप्रैल : हमारी कलीसियाओं, संडे स्कूल, युवा सेवकाई और अस्पताल आउटरीच कार्यक्रमों पर उनकी निरंतर आशीष के लिये।

23 अप्रैल : हमारे वरिष्ठ पासवान, एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार को सभी बुरी ताकतों से बचाने के लिये।

24 अप्रैल : हमारे **बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम (बाइबलकोर)** और **ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम** पर उनके अनुग्रह के लिये।

25 अप्रैल : हमारे संगठन के कर्मचारियों और उनके परिवारों को आशीष देने के लिये, उनकी भलाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये।

26 अप्रैल : हमारे वरिष्ठ पासवान एस. सैम सेल्वा राज के पाँच मिनट के यू ट्यूब संदेशों के माध्यम से होने वाली सामर्थी गवाही के लिये।

27 अप्रैल : वित्तीय वर्ष 2024–2025 के लिए परमेश्वर के प्रावधान और मार्गदर्शन के लिये।

28 अप्रैल : हमारे प्रकाशनों पर उसकी भरपूर कृपा, हमारे मुद्रण प्रेस में १६ भाषाओं में मुद्रित और मिशन क्षेत्रों में वितरित की गई। मासिक पत्रिकाओं के लिये।

29 अप्रैल : हमारे प्रार्थना सहयोगियों, सदस्यता भागीदारों, विश्वास भागीदारों, जीवन भागीदारों और महान आदेश भागीदारों और उनके परिवारों के प्रति परमेश्वर की आशीष के लिए।

30 अप्रैल : युवाओं को हमारी सभी कलीसियाई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने और मजबूत करने के लिये।

01 मई : हमारे मिशन कार्यकर्ताओं के अटूट समर्पण के लिये।

02 मई : वैश्विक अशांति और युद्ध के खतरे के बीच सभी देशों के लिए ईश्वरीय सुरक्षा के लिये।

03 मई : राजनीतिक और धार्मिक विरोध के बावजूद हमारे मसीही

कृपया प्रार्थना करें

04 मई : 2025–26 शैक्षणिक वर्ष के लिए हमारे आवासीय और शाम के **नहेमायाह बाइबिल कॉलेज** में योग्य छात्रों का प्रवेश।

05 मई : 2025–26 शैक्षणिक वर्ष के लिए **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** में नए छात्रों का नामांकन।

06 मई : दुनिया भर की कलीसियाएं आत्माओं को जीतें और पुनरुत्थान का अनुभव करें।

07 मई : हमारे गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस और इसके दैनिक सुचारू संचालन के लिये।

08 मई : हमारे संगठन के सभी कर्मचारियों के बीच एकता और सद्भाव हो।

09 मई : हमारे सहयोगी संपादकों और उनके परिवारों पर परमेश्वर का आशीर्वाद।

10 मई : हमारी सभी सेवकाइयों की वित्तीय ज़रूरतों के लिए प्रावधान।

11 मई : सेवकाइयों और मिशनरियों के खिलाफ़ सताव का अंत हो।

12 मई : उत्तर भारत में मिशनरियों और परमेश्वर के सेवकों के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए अच्छा स्वास्थ्य और बल।

13 मई : दुनिया को प्रभावित करने वाली चरम मौसम स्थितियों के खिलाफ़ परमेश्वर की सुरक्षा के लिये।

14 मई : माताएं जो निस्वार्थ भाव से अपने बच्चों का पालन-पोषण करती हैं उनके लिये।

15 मई : दुनिया भर में जो रोगी लंबे समय तक अस्पताल में हैं और लाइलाज बीमारियों से पीड़ित हैं उनके लिये।

16 मई : पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ाने के लिए नए दर्शन और मार्गदर्शन के लिये।

17 मई : सुसमाचार को दूर-दराज़ क्षेत्रों में साझा करने के लिए साहस और अवसर के लिये।

18 मई : विभिन्न क्षमताओं में हमारे सेवकाइयों का विकास और विस्तार हो।

पृष्ठ 4 से आगे:...

रोमियों ८:१८ में याद दिलाता है, "क्योंकि मैं समझता हूँ कि इस समय के दुःख और क्लेश उस महिमा के सामने, जो हम पर प्रगट होनेवाली है, कुछ भी नहीं हैं।" चाहे हमारी परीक्षाएं कितनी भी दर्दनाक क्यों न हों, वे हमें दी गई अनंत महिमा के प्रकाश में अस्थायी हैं।

वास्तव में, हमारे संघर्ष ही वह मिट्टी बन सकते हैं जिसमें हमारा विश्वास जड़ पकड़ता है और बढ़ता है। **याकूब १:२-४ हमें प्रोत्साहित करता है कि "हे मेरे भाइयो, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो, तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो, यह जानकर कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है। पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ, और तुम में किसी बात की घटी न रहे।"** जब हम पुनरुत्थान की आशा के आश्वासन के साथ कठिनाइयों को सहते हैं, तो हम अपने भीतर एक ऐसी सामर्थ्य को खोजते हैं, जिसके बारे में हम कभी जानते नहीं थे।

आशा की बहाली की एक वास्तविक जीवन की कहानी

इतिहास ऐसे व्यक्तियों के वृत्तांतों से भरा पड़ा है, जिन्होंने भारी नुकसान के बीच नई आशा पाई। ऐसी ही एक कहानी होरेशियो स्पैफ़ोर्ड की है, एक ऐसे व्यक्ति की जिसने अकल्पनीय दुःख सहा। १८७३ में, उसने एक दुखद जहाज़ दुर्घटना में अपनी चार बेटियों को खो दिया। उसके दुःख की गहराई अवर्णनीय थी। फिर भी, अपनी निराशा में भी, वह मसीह में अपनी आशा से लिपटा रहा।

जब वह अपनी शोकग्रस्त पत्नी से मिलने के लिए रवाना हुआ, तो स्पैफ़ोर्ड उसी स्थान से गुज़रा जहां उसकी बेटियाँ डूब गई थीं। वहां, अपनी पीड़ा के बीच, उसने प्रिय भजन - इट्स वेल विद माई सोल के शब्द लिखे।

गहन नुकसान के प्रति स्पैफ़ोर्ड की प्रतिक्रिया इम्माऊस के चेलों की यात्रा को दर्शाती है। हालांकि उसका दिल टूट गया था, लेकिन उसका विश्वास अटूट था। वह समझ गया कि जबकि दुख अटल है, निराशा को अंतिम शब्द नहीं होना चाहिए। जिस तरह चेलों ने रोटी तोड़ने में यीशु को पहचाना, उसी तरह स्पैफ़ोर्ड ने भी जी उठे मसीह की उपस्थिति से आने वाली शांति और पुनर्स्थापना का अनुभव किया - अपने सबसे बुरे क्षणों में भी।

उसकी विजय के प्रकाश में जीना!

पुनरुत्थान मृत्यु पर विजय से कहीं बढ़कर है - यह हमारे जीवन को पुनः प्राप्त करने का निमंत्रण है। **रोमियों ८:३७** घोषणा करता है, **परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।** यह पुनरुत्थान की आशा की परिवर्तनकारी सामर्थ्य है। यह हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए मज़बूत बनाती है, हमें याद दिलाती है कि हम अपने संघर्षों से नहीं बल्कि मसीह के प्रेम और विजय से परिभाषित होते हैं।

इस प्रकाश में जीने का मतलब है यह भरोसा करना कि हर परीक्षा का एक उद्देश्य होता है और हर दुःख से मुक्ति मिल सकती है। यह हमें साहस के साथ चलने, अनुग्रह बढ़ाने और इस सच्चाई को अपनाने के लिए कहता है कि वही सामर्थ्य जिसने यीशु को मृतकों में से जीवित किया, हमारे भीतर भी रहती है। इसका मतलब है कि अपने जीवन को जीवित गवाही बनने देना कि आशा - चाहे कितनी ही कमज़ोर क्यों न हो - पुनर्स्थापित और नवीनीकृत की जा सकती है।

नई आशा के लिए बुलाहट!

इम्माऊस की कहानी एक ऐतिहासिक विवरण से कहीं अधिक है - यह हम में से प्रत्येक के लिए एक व्यक्तिगत निमंत्रण है। यह हमें याद दिलाती है कि संदेह और निराशा के क्षणों में भी, यीशु हमारे साथ चलते हैं। उनकी कोमल उपस्थिति हमें आश्वस्त करती है कि क्रूस अंत नहीं था, और न ही हमारे वर्तमान संघर्ष।

मुझे आपसे पूछने दीजिए!

आज आप कौन से बोझ उठा रहे हैं? क्या आपने यीशु को अपनी चुनौतियों के माध्यम से आपके साथ चलने के लिए आमंत्रित किया है?

क्या आप अपनी भावनाओं को अपने विश्वास को आकार देने दे रहे हैं, या आप परमेश्वर के वचन की अपरिवर्तनीय सच्चाई पर दृढ़ हैं?

इस ईस्टर पर, क्या आप संदेह से विश्वास, निराशा से आशा की ओर बढ़ना चुनेंगे?

यदि आप प्रकाश को देखने के लिए

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.
Qualification : 10th Standard & above
ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE REACHING NATIONS
Rush for admission! Medium :Tamil (Part Time)
Hindi (Residential) (Sponsorship Available)
Diploma in Theology
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 55 years
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

संघर्ष कर रहे हैं, तो अभी प्रार्थना करने के लिए एक क्षण निकालें। यीशु को अपनी कठिनाइयों में आमंत्रित करें, जैसे वह चेलों के साथ चला था। अपनी बाइबल खोलें और यूहन्ना ११रू२५-२६ और १ कुरिन्थियों १५रू२०-२२ जैसे वचनों पर ध्यान लगाएं। इन शब्दों को आपको आश्वस्त करने दें कि वह पुनरुत्थान और जीवन है। चाहे आपका दुख कितना ही गहरा क्यों न हो, उसका आनंद हमेशा मौजूद है, और उसका प्रेम कभी खत्म नहीं होता।

पुनरुत्थान द्वारा परिवर्तित जीवन को अपनाना

पुनरुत्थान की आशा के साथ जीना भविष्य की प्रतिज्ञा पर विश्वास करने से कहीं अधिक है - यह उस आशा को आपके दैनिक जीवन को आकार देने और बदल देने से सम्बंध रखता है। इसका मतलब है कि जब आगे का रास्ता अस्पष्ट हो तब भी विश्वास में आगे बढ़ना, गहरे घावों के बावजूद क्षमा करना और असंभव लगने पर भी प्रेम करना। जैसा कि **रोमियों १२:२ में पौलुस हमें याद दिलाता है, इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए।** यह नवीनीकरण तब शुरू होता है जब हम पहचानते हैं कि वही सामर्थ्य जिसने यीशु को मृतकों में से जिलाया था, हमारे भीतर काम कर रही है - हमारे दिलों को बदल रही है, हमारी आत्माओं को मजबूत कर रही है, और जीवन के प्रति हमारे दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित कर रही है।

कल्पना करें कि आप कितने अलग तरीके से बदल सकते हैं यदि आप वास्तव में मानते हैं कि हर कठिनाई अस्थायी है, हर बाधा उन्नति का अवसर है, और हर आंसू अनंत आनंद की ओर एक कदम है, तो आप चुनौतियों का सामना कितने अलग तरह से कर पाएंगे। यह पुनरुत्थान की आशा की सामर्थ्य है - यह हमें उस साहस से भर देती है जो केवल मसीह को जानने से ही आ सकता है।

पुनरुत्थान की आशा को अपनाने हेतु व्यावहारिक कदम

ईस्टर और नए जीवन की प्रतिज्ञा का उत्सव मनाते हुए, यहां आपके दैनिक जीवन में पुनरुत्थान की आशा को विकसित करने के कुछ तरीके दिए गए हैं :

१. खुद को पवित्रशास्त्र में डुबोएं!

- हर दिन परमेश्वर के वचन को पढ़ने और उस पर मनन करने के लिए समर्पित समय निकालें। रोमियों ६रू४, यूहन्ना ११रू२५-२६ और १ पतरस १रू३ जैसे पदों को अपनी आत्मा को उसके वादों में स्थिर करने दें।

२. प्रार्थना के प्रति समर्पित रहें!

परमेश्वर के साथ ईमानदारी से, दिल से बातचीत करें। अपने बोझ को उसके सामने रखें, और उसकी आवाज़ सुनें जो आपको आश्वस्त करती है कि आप कभी अकेले नहीं हैं।

३. विश्वासियों के समुदाय में शामिल हों!

अपने आस-पास ऐसे लोगों को रखें जो आपके विश्वास और आशा को साझा करते हैं। संगति में, आपकी आत्मा मजबूत होती है, और आपका विश्वास गहरा होता है क्योंकि आप अपने जीवन में परमेश्वर के

पृष्ठ ९ में क्रमशः...

URGENT NEED

Teachers for

ST. PAUL'S MATRICULATION SCHOOL,

An *Echo of His Call* Institution

Vijayanagaram, Medavakkam, Chennai - 100.

We need well qualified, experienced, dedicated, hard working and mission oriented Christians.

Apply with Bio-data to
E.mail: sam@echoofhiscall.org
WhatsApp: (+91) 98412 71858

VERY URGENT NOTICE!

There may be some unavoidable difficulty in dispatching **Echo of His Call** by post in the very near future. Therefore, if you are really interested to receive **Echo of His Call** continuously, please send us your names, addresses, E.mail addresses and WhatsApp numbers through letters, E.mails, phone calls, WhatsApp or SMS messages immediately.

Please help us to serve you continuously.

Our address:

ECHO OF HIS CALL,
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858
E.mail: sam@echoofhiscall.org

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

"वह जंगल को जल का ताल, और निर्जल देश को जल के सोते कर देता है।" - भजन 107:35

1989 में, हम एक किराए के घर में रह रहे थे और वहाँ अपनी कलीसिया की सेवाएँ संचालित कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, हमारा प्रार्थना और परामर्श केंद्र सी.एन.के. रोड पर एक किराए की इमारत से संचालित होता था। हालांकि, दोनों मकान मालिकों ने अनपेक्षित रूप से हमें तुरंत अपना परिसर खाली करने का आदेश दिया।

उस समय, मैं और मेरी पत्नी सरकारी अधिकारी थे। हमारे स्थिर रोजगार के बावजूद, हमारे पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मानवीय सहायता की कमी थी, क्योंकि हमारी अधिकांश आय प्रभु की विभिन्न सेवाओं को समर्पित थी। हमारे पास अपने घर, चर्च और एको ऑफ हिज़ कॉल कार्यालय को किसी अन्य इमारत में स्थानांतरित करने के लिए धन नहीं था। इसके अलावा, मकान मालिकों के साथ हमारी ओर से मध्यस्थता करने वाला कोई नहीं था। हमारे दो छोटे बच्चे भी इस कठिन परिस्थिति में हमारे साथ पीड़ित थे।

एक सुबह, समाधान की तलाश में, मैं पैदल ही निकल पड़ा, चेपॉक की सड़कों पर लगभग दो घंटे तक भटकता रहा, अपने घर, कलीसिया और कार्यालय के लिए एक नई जगह की तलाश में। हर कदम पर, मैंने परमेश्वर की स्तुति की, उसके प्रावधान पर भरोसा किया।

रास्ते में, मैं दो दलालों से मिला और हमारी तत्काल आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से उत्तर दिया :

"इस क्षेत्र में कोई भी आपको किराए पर घर नहीं देगा। आप जोर से प्रार्थना करते हैं, "हालेलुय्याह" चिल्लाते हैं, और रात में संगीत वाद्यों के साथ गाते हैं। हमारे देवी-देवता इस वजह से नाराज़ हो जाते हैं, और उनकी शक्तियां कमज़ोर हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, हम पीड़ित हैं।"

निडर होकर, मैं अपने धैर्य और आशा को बनाए रखते हुए चलता रहा। फिर, मेरी मुलाकात एक रोमन कैथोलिक भाई से हुई और मैंने उसे अपनी दुर्दशा बताई। उन्होंने मेरी बात सुनी और कहा, "भाई, एक पुराना घर उपलब्ध है। हालांकि, कोई भी वहां रहने को तैयार नहीं है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह भूतहा है। उस घर में पिछले रहने वाले ने आत्महत्या कर ली थी और लोगों को डर है कि वहां बुरी आत्माएं रहती हैं। लेकिन चूंकि आप पवित्र आत्मा से भरे हुए हैं और ऐसी आत्माओं को बाहर निकालने की सामर्थ्य रखते हैं, इसलिए आप बहुत कम किराए पर घर ले सकते हैं।" उनके शब्दों ने मुझे खुशी और उम्मीद की भावना दी। हालांकि, एक बड़ी बाधा थी - मेरे पास किराए के लिए अग्रिम भुगतान के रूप में पचास रुपये भी नहीं थे। मैं घर लौट आया, घुटनों के बल झुका और हमारे स्वर्गीय पिता से प्रार्थना की। परमेश्वर ने अविश्वसनीय तरीके से एक महान चमत्कार किया। अगले ही दिन, मुझे दैनिक समाचार पत्र में एक विज्ञापन मिला, जिसमें लिखा था : "आवास विकास वित्तीय निगम ने सरकार के साथ मिलकर स्थायी सरकारी अधिकारियों को अपना घर खरीदने के लिए अग्रिम भुगतान की पेशकश करने वाली एक योजना शुरू की है। सहायता पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रदान की जाएगी।" बिना किसी हिचकिचाहट के, मैं अपने कार्यालय गया और तुरंत आवेदन किया। आम तौर पर, इस तरह के अग्रिम को स्वीकृत होने में लगभग पांच साल लगते हैं। हालांकि, परमेश्वर के अनुग्रह से, मुझे बहुत ही कम समय में आवश्यक राशि मिल गई। आश्चर्य की बात यह है कि जैसे ही मुझे धनराशि मिली, योजना वापस ले ली गई। उस राशि से, हमने एक पुराने घर के साथ जमीन का एक टुकड़ा खरीदा, जो हमारा नया निवास बन गया। हमने अपना घर, चर्च और कार्यालय उस इमारत में स्थानांतरित कर दिया। हमारे डर के विपरीत, हमें किसी भी बुरी उपस्थिति का कोई संकेत नहीं मिला। परमेश्वर ने हमारे लिए एक अद्भुत तरीके से प्रावधान किया - हमारा चर्च नीचे बनाया गया, हमारा निवास पहली मंजिल पर, और हमारा कार्यालय दूसरी मंजिल पर।

कुछ साल बाद, परमेश्वर ने हमें पुरानी इमारत को ध्वस्त करने और एक नया निर्माण करने में सक्षम बनाया। आज, हमारा प्रिंटिंग प्रेस, चर्च, कार्यालय और निवास सभी इस नई संरचना के भीतर हैं।

जब मैं 1994 में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुआ, तो परमेश्वर ने मुझे बिना किसी बकाया के पूरी राशि चुकाने में मदद की। अब, मैं खुशी से प्रभु की सेवा करता हूं।

परखकर देखो कि यहोवा कैसा भला है! क्या ही धन्य है वह पुरुष जो उसकी शरण लेता है। - भजन 34:8

- - - - - - - - - - -

पृष्ठ 7 से आगे:...

परिवर्तनकारी कार्य की गवाही का आदान-प्रदान करते हैं।

४. अपने विश्वास को जीएं!

पुनरुत्थान की आशा को अपने दैनिक कार्यों को आकार देने दें। चाहे माफ़ी देना हो, ज़रूरतमंदों पर दया दिखाना हो, या अनिश्चितता के बावजूद आस्था में आगे बढ़ना हो, अपने जीवन को मसीह की मुक्तिदायी शक्ति का प्रमाण बनने दें।

अंतिम प्रोत्साहन!

इस ईस्टर, आप एक गहरे बदलाव का अनुभव करें : दुख से खुशी तक, संदेह से अटूट विश्वास तक, और निराशा से ऐसी आशा तक जो कभी विफल नहीं होती। यीशु का पुनरुत्थान केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं है; यह हमारे विश्वास की नींव है, एक घोषणा है कि चाहे रात कितनी भी अंधेरी क्यों न हो, उसकी रोशनी की सुबह हमेशा चमकती रहेगी।

जब आप चिंतन के इस समय को छोड़ते हैं, तो अपने साथ यह आश्वासन लेकर जाएं कि यीशु आपकी यात्रा के हर कदम पर आपके साथ चलते हैं। वह आपको अपने बोझ से मुक्त होने और उसके प्रेम और विजय से नवीकृत जीवन को अपनाने के लिए निमंत्रित करता है। आपका हृदय उसके वचन की सामर्थ्य के लिए खुला रहे, और आपको प्रत्येक दिन का सामना आत्मविश्वास के साथ करने हेतु बल मिले, यह जानते हुए कि आप उसके द्वारा जयवन्त से भी बढ़कर हैं।

२ कुरिन्थियों ५:१७ के शब्दों को अपने भीतर गूंजने दें :

इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है : पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई हैं।

ईस्टर द्वारा प्रदान किए जाने वाले इस नए जीवन को अपनाएं। पुनरुत्थान की आशा को अपने विचारों को रोशन करने दें, अपने कार्यों को प्रेरित करें, और अपने दिनों को एक अटूट आनंद से भर दें जो केवल मसीह ही प्रदान कर सकता है।

चाहे आप जीवन के किसी भी दौर में हों, जान लें कि यीशु निकट हैं। अपना दिल खोलें, उसकी प्रतिज्ञाओं पर भरोसा करें, और उसके द्वारा आपके लिए तैयार किए गए नए जीवन में साहसपूर्वक कदम बढ़ाएं। पुनरुत्थान की सामर्थ्य में निहित आशा का यह संदेश आपके सबसे अंधेरे क्षणों में प्रकाश की किरण बने।

आमेन!

श्रद्धांजलि

पास्टर ॲलेक्स सेमसन सॅम

मेरे प्रिय आत्मिक मित्र, पास्टर सैम सेल्वा राज के इकलौते बेटे, पास्टर एलेक्स सैमसन सैम, ने १३ फरवरी, २०२५ को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश किया। हालांकि वह अब हमारे साथ नहीं है, लेकिन उनकी विरासत हमारे दिलों में बनी हुई है।

हम भाई सैम सेल्वा राज, उनके परिवार और एको ऑफ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ के पूरे स्टाफ़ के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

पास्टर एलेक्स सैमसन सैम एक दयालु, सम्मानीय और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे। उनकी गर्मजोशी और अटूट विश्वास ने अनगिनत युवाओं को एको ऑफ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ की ओर आकर्षित किया, और जोशुआ वॉरियर्स इंटरनेशनल उनके प्रभाव का एक प्रमाण है।

पूरे दिल से परमेश्वर की बुलाहट को स्वीकार करते हुए, उन्होंने अपने ४१ साल के जीवन के ३० से ज़्यादा साल पास्टर के रूप में प्रभु की सेवा में समर्पित कर दिए, कभी सांसारिक सुख-सुविधाओं की तलाश नहीं की। उन्होंने बिना किसी शिकायत के शारीरिक पीड़ा को सहते हुए, त्यागपूर्ण हृदय से अपनी सेवा चलाई।

उन्होंने जीवन और मृत्यु की गहरी सच्चाई को समझा :

जो मृत्यु को समझ लेता है, वह विजेता बन जाता है।

एक सच्चा विजेता किसी डर को नहीं जानता।

जो लोग विश्वास में चलते हैं, उनके लिए मृत्यु का कोई प्रभुत्व नहीं होता

जबकि कई लोग जीवन के फलों का आनंद लेने के लिए पैदा होते हैं, पादरी एलेक्स ने भक्ति और आत्म-त्याग का मार्ग चुना। अपने अटूट विश्वास के कारण, परमेश्वर उन्हें भरपूर आशीष देंगे और उन्हें अपने पास जगह देंगे - पृथ्वी और स्वर्ग में ईश्वरीय न्याय का एक प्रमाण।

आइए हम उनकी याद को दुख से नहीं बल्कि दृढ़ हृदय से सम्मान दें। हम उन्हें जो सबसे बड़ी श्रद्धांजलि दे सकते हैं, वह है उनके एको ऑफ हिज़ कॉल के मिशन को अटूट समर्पण के साथ जारी रखना, यह जानते हुए कि उनकी आत्मा हमारे साथ है।

पी. शिवाप्रकाशम

सी. मुथ्थु

हार्दिक प्रार्थनाओं के साथ,

पी. शिवप्रकाशम और सी. मुथु और परिवार

(पा. एस. सैम सेल्वा राज के करीबी मित्र)

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ

*****

E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-   आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th APRIL 2025
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**